माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

कोविड–19 महामारी के कारण पाठ्यक्रमों का 70 प्रतिशत अध्यायवार शैक्षिक पंचांग सत्र 2020–21 के लिए निम्नवत् है–

कक्षा–12 अर्थशास्त्र

क्रम	माह	पाठ्यक्रम
1.	20 मई से	**खण्ड क–** परिचयात्मक सूक्ष्य अर्थशास्त्र, परिचय–सूक्ष्म (Micro Economics) एवं वृहत अर्थशास्त्र सकारात्मक और नियामक अर्थशास्त्र।
2.	जून	**खण्ड क** – उपभोक्ता सन्तुलन का तटस्थता वक्र द्वारा विश्लेषण – उपभोक्ता का बजट (बजट सेट एवं बजट लाइन) – उपभोक्ता की प्राथमिकतायें (तटस्थता वक्र एवं – उदासीनता मानचित्र) एवं उपभोक्ता संतुलन की स्थितियां।
3.	जुलाई	**खण्ड क–** मांग, बाजार मांग, मांग के निर्धारक, मांग अनुसूची, मांग वक्र एवं उसकी ढलान, मांग वक्र में गतिविधियाँ एवं मांग वक्र का खिसकना, मांग लोच करने वाले कारक, मांग लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत–परिवर्तन प्रणाली।
4.	अगस्त	**खण्ड क–** उत्पादन फलन–अर्थ, अल्पकालिक व दीर्घकालिक, कुल उत्पाद, औसत उत्पाद, सीमान्त उत्पाद। लागत– अंशकालिक लागत, कुल लागत, कुल निर्धारित लागत, कुल परिवर्तनशील लागत, औसत लागत, औसत निर्धारित लागत, औसत परिवर्तनशील लागत एवं सीमांत लागत– अर्थ एवं उनके सम्बन्ध।
5.	सितम्बर	**खण्ड क–** आदर्श प्रतिस्पर्धा–विशेषताएँ, बाजार सन्तुलन के निर्धारण एवं उनके खिसकने मांग एवं आपूर्ति पर प्रभाव। मांग एवं आपूर्ति के साधारण प्रयोग–मूल्य नियन्त्रण न्यूनतम मूल्य आधार। **खण्ड ख–** कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ उपभोग में आने वाली वस्तुएं पूंजीगत माल, अंतिम माल, मध्यवर्ती माल, स्टाक एवं प्रवाह, आधारभूत निवेश एवं मूल्य ह्रास। आय का परिपत्र प्रवाह (दो क्षेत्र मॉडल) राष्ट्रीय आय की गणना करने की विधियाँ, उत्पादन गणना विधि, आय गणना विधि, उपभोग बचत विधि या व्यय विधि। बाजार भाव पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद। कारक लागत पर वास्तविक एवं न्यूनतम सकल घरेलू उत्पाद। सकल घरेलू उत्पाद एवं कल्याण।
6.	अक्टूबर	**खण्ड ख–** मुद्रा– परिभाषा एवं मुद्रा की आपूर्ति जन साधारण के अधिपत्य में मुद्रा एवं वाणिज्यिक बैंकों द्वारा शुद्ध मांग के अनुरूप धारित कुल जमा राशि। वणिज्यिक बैंकिग प्रणाली द्वारा मुद्रा का सृजन। केन्द्रीय बैंक एवं उसके कार्य। (भारतीय रिजर्व बैंक का उदाहरण) मुद्रा जारी करने वाला बैंक, राजकीय बैंक, सामुदायिक बैंकों को वित्तीय सेवायें प्रदान करने वाले बैंक।
7.	नवम्बर	**खण्ड ख–** आय एवं रोजगार का निर्धारण– कुल तैयार उत्पाद एवं सेवायें एवं उसके अवयव। उपभोग की ओर झुकाव एवं बचत की ओर झुकाव (औसत व सीमित) अल्पकालिक कुल उत्पादन एवं कुल आपूर्ति सन्तुलन, पूर्णकालिक रोजगार का अर्थ एवं अनैच्छिक रोजगार। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा**

8.	दिसम्बर	**खण्ड ख–** अत्यधिक मांग एवं न्यून मांग की समस्यायें एवं इन्हें सुधारने के उपाय। होने वाले शासकीय व्यय में पवितर्न। कर एवं मुद्रा आपूर्ति। सरकारी बजट–अर्थ, उद्देश्य एवं उसके अवयव। प्राप्तियों का वर्गीकरण–राजस्व प्राप्तियाँ एवं पूंजीगत प्राप्तियाँ। व्यय का वर्गीकरण राजस्व व्यय एवं पूंजीगत व्यय। शासकीय घाटों के प्रकार–राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा एवं उनका अर्थ।
9.	जनवरी	**खण्ड ख–** भुगतान सन्तुलन खाता–अर्थ एवं उसके अवयव, भुगतान सन्तुलन। विदेशी मुद्रा विनिमय–स्थिर एवं लचीली दरों का अर्थ एवं कामयाब चल। पढ़ाये गये अध्यायों की पुनरावृत्ति।
10.	फरवरी	प्री–बोर्ड परीक्षा
11.	मार्च	बोर्ड की परीक्षा

नोट– कोविड–19 के प्रभावी होने की स्थिति में संशोधित पाठ्यक्रम के तहत निम्न शीर्षकों को पाठ्यक्रम से हटाया गया हैः–

खण्ड क– अर्थशास्त्र की केन्द्रीय समस्याएं–क्या कैसे और किसके लिए उत्पादन किया जाए, उत्पादन की अवधारणा, उत्पादन संभावना फ्रंटियर एवं अवसर लागत।

उपभोक्ता संतुलन–उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता क्षीणता का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता संतुलन सम्बन्धी स्थितियां।

उत्पादनकर्ता का संतुलन–अर्थ व सीमान्त राजस्व एवं सीमांत लागत के क्रम उसकी स्थितियां। आपूर्ति, बाजार आपूर्ति, आपूर्ति के निर्धारक, आपूर्ति सारणी, आपूर्ति वक्र एवं उसकी ढलान, आपूर्ति वक्र में गतिविधियाँ एवं आपूर्ति वक्र का खिसकना। आपूर्ति लोच की कीमत, आपूर्ति लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत परिवर्तन प्रणाली।

खण्ड –क

बाजार के अन्य प्रकार–एकाधिकार बाजार, एकाधिकार प्रतिस्पर्धा, अल्पाधिकार बाजार–अर्थ एवं विशेषतायें।

खण्ड–ख

मुद्रा की मांग और आपूर्ति की तरलता पर बैंक द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार नियंत्रण। नकद आरक्षित अनुपात, साविधिक चल निधि अनुपात, रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट, खुली बाजारू गतिविधियाँ। निवेशक द्वारा अपनी नकदी के प्रति दी जाने वाली न्यूनतम प्रतिभूति।

घाटा–अर्थ

मुक्त बाजार में विनिमय दरों के निर्धारक।